



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ५]

हर्ष विल्ली, बुहत्यतिवार, जनवरी ३, १९९१/पौष १३, १९१२

No. 5] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 3, 1991/PAUSA 13, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging Is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

नागर विमानन मंत्रालय

प्रधिकार

नई विल्ली, ३ जनवरी, १९९१

मा. का. नि. ६(अ) :— वायुपात्र नियम, १९३७ का और
संशोधन करने के लिए कलियाप्राप्त नियम, भारत सरकार के नाम
विमानन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या मा. का. नि. ३८६, नारीश
११ जून, १९९० के अधीन भारत के ग्रामपत्र, भाग २, खंड ३, उपखण्ड
(i) नारीश २३ जून, १९९० के पृष्ठ संख्या १४४२—१४५५ पर
प्रकाशित किए गए थे, जिनमें ऐसे गमी व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित
होते थीं संभावना थी, आक्षेप या सुझाव भी थे;

और उसने ग्रामपत्र की प्रतियां २६ जूनाई, १९९० को जनता को
जालदार करा दी थीं थीं;

और उक्त प्राप्ति के संबंध में जनता से कोई आक्षेप या सुझाव
प्राप्त नहीं हुए;

अतः प्रब्र. केन्द्रीय सरकार, वायुपात्र अधिनियम, १९३४ (१९३४
का २२) की धाग ५ द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए, वायुपात्र

नियम, १९३७ का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाया
है; अर्थात् :—

१ (१) इन नियमों का संशित नाम वायुपात्र (I संशोधन)
नियम १९९१ है।

(२) ये ग्रामपत्र में प्रकाशन की जारीख को प्रवृत्त होंगे।

२. वायुपात्र नियम, १९३७ के नियम ६२ के स्थान पर निम्नलिखित
नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

६२ फौसे—(१) प्रकार प्रवाणपत्र के जारी किए जाने या विशिष्टा-
न्यकरण, उड़नयोग्यता प्रमाणपत्र के नवीकरण या
प्रिधिमन्यकरण और इस भाग द्वारा अधीक्षित अनुज्ञित
या प्रधिकार पत्र के जारी किए जाने, उसके तबीयताण
या उसके विस्तार में उपलिङ्ग की वाशत निम्नलिखित फौसे
देय होंगी।—

क नियम ४९ के अधीन प्रकार-प्रमाणपत्र को जारी किया जाना:

(१) १.००० किलोग्राम एवं उड़ान्युक्त १०,०००.०० रुपए
के लाइसेंस और मेलार्जेन

(2) 1,5000 किलोग्राम एवं उच्चतम का वायुयान और स्वत्रमोदन ब्रॉडब्रैड	15,000.00 रुपए
(3) 1,501 किलोग्राम से 5,7000 किलोग्राम एवं उच्चतम का वायुयान	15,000.00 रुपए घन 1500 किलोग्राम से प्रथम प्रत्येक 10 किलो ग्राम या उसके भाग के लिए 50.00 रुपए
(4) 5,7000 किलोग्राम एवं उच्चतम से अधिक का वायुयान	50,000.00 रुपए घन 5,7000 किलोग्राम से अधिक प्रत्येक 1,000 किलोग्राम या उसके भाग के लिए 5,000 रुपए।
(5) इंजन :	
(क) प्रथमांशी	200,000 रुपए प्रति एच पी
(ख) टर्बो पॉप	250,00 रुपए प्रति एचपी
(ग) टर्बो जैट	25.00 रुपए प्रति किलोग्राम
(6) हेलीकॉप्टर	प्रभार उस फीस से, जो तत्स्थानी भार प्रवर्गों में वायुयान के लिए प्रभारित की जाती है 20 प्रति-भाग अधिक होंगे। 5,000.00 रुपए प्रत्येक के लिए।

वायुयान संघटकों, उपस्करों और उपकरणों आदि की वायुयान प्रकार प्रमाणपत्र, जब उनके संबंध में पृष्ठ-पृष्ठक कार्रवाई की जाए।

ग. नियम 49 का अधान प्रकार प्रमाणपत्र का विधिमात्यकरण:

(1) वायुयान का प्रायात:

प्रकार—प्रमाणपत्र के विधिमात्यकरण के लिए फीस 5,000 रुपए प्रकार प्रमाणपत्र जारी करने के लिए वेय फीस की 25 प्रतिशत, नमे से जो भी उच्चतम हो, होगी।

(2) अनुशंसा उत्पादन:

प्रकार प्रमाणपत्र के विधिमात्यकरण के लिए फीस प्रकार प्रमाणपत्र जारी करने के लिए वेय फीस की 50 प्रतिशत होगी।

ग. नियम 50 के प्रधीन उड़न योग्यता प्रमाणपत्र का जारी किया जाना नवीकरण या विधिमात्यकरण:—

- (1) 1000 किलोग्राम या उससे कम अधिकतम अनुशंसेय भार वाले किसी वायुयान के लिए 200.00 रुपए
- (2) 1000 किलोग्राम अधिकतम अनुशंसेय भार से 10.00 रुपए प्रथम प्रत्येक 100 किलोग्राम या उसके भाग के लिए

(3) उड़न योग्यता प्रमाणपत्र का दूसरी प्रति की जारी किया जाना।

ग. नियम 61 के प्रधीन एवं एच/ए. ग्राम एवं ई/जो एक ई की वायुयान अनुशंसित अथवा प्राधिकार पत्र का जारी किया जाना नवीकरण अथवा उसके विस्तार में उपलब्ध:

(i) किसी अनुशंसित के जारी किया जाने वाले उसके नवीकरण या उसके विस्तार में उपलब्ध के लिए, प्रायोजित की जाने वाली अनुशंसित परीक्षा के प्रत्येक प्रवर्ग और प्रकार पृष्ठक्रम/प्राधिकार/ग्राम/अनुशंसेवन पत्र के लिए 100.00 रुपए।

(ii) अनुशंसित का जारी किया जाना इसका नवीकरण या उसकी दूसरी प्रति की जारी किया जाना 100.00 रुपए।

2 सभी फीसों का मंदाय महानिवेशक, नायर शिमानन के पक्ष में सिव्हे गये छाँस भारतीय पोस्टल ब्रॉडब्रैड अथवा बैंक ड्रापट डार्ग किया जाएगा।

(3) जहाँ किसी कारण से कोई अनुशंसित या प्राधिकारपत्र या प्रमाणपत्र, यथास्थिति, जारी नहीं किया जाता है, नवीकृत नहीं किया जाता है या उसका विधिमात्यकरण नहीं किया जाता है वहाँ महानिवेशक आवेदक को संदर्भ फीस के लिए भाग का प्रतिवाय कर सकेगा जो, यथास्थिति, न की गई परीक्षा अथवा न किया गया परीक्षण या निरीक्षण अथवा जारी या नवीकृत या विधिमात्य न की गई अनुशंसित प्राधिकार पत्र या प्रमाणपत्र के खार्च के बराबर है।।

[फा. स. ए. नं. 11012/1/88 -ए]

रक्षीत्र ग्रन्ता, संयुक्त सचिव

पाव टिप्पणी

मूल नियम दिनांक 27 मार्च, 1937 के भारत के राजपत्र के भाग I, में 23 मार्च, 1937 की अधिभूत्ता मध्या शी-26 के तहत प्रकाशित किए गए थे। वार में विमानिक्षित ड्रार्ग मंजूरीदान किया गया था; दिनांक 30 मिस्रम्बर 1972 के भारत के राजपत्र के भाग II खंड 3 उपलब्ध (i) में प्रकाशित 18 मिस्रम्बर, 1972 का जी. एस. ग्राम 1232;

दिनांक 13 मिस्रम्बर, 1975 के भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उप खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 26 मिस्रम्बर, 1975 की जी.एस.ग्राम. 2387।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd January, 1991

G.S.R. 6(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, were published at pages 1442-1445 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 23rd June, 1990 with the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation G.S.R. 386 dated 11th June, 1990, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 26th July, 1990;

And whereas no objection or suggestion has been received from the public on the said draft;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely:—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (First Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937, for rule 62, the following rule shall be substituted, namely:—

“62. Fees :—(1) The following fees shall be payable for issue or validation of Type Certificate renewal or validation of Certificate of Airworthiness and issue, renewal or modification in the scope of licence or authorisation required by this part:

A. Issue of Type Certificate under rule 49A:

(i) Gliders and Sailplanes upto 1,000 Kgs. AUW.	Rs. 10,000.00
(ii) Light aircraft and self-launching gliders upto 1,500 Kgs. AUW.	Rs. 15,000.00
(iii) Aircraft from 1,501 Kgs. to 5,700 Kgs. AUW.	Rs. 15,000.00 plus Rs. 50.00 for every 10Kgs. or part thereof above 1,500 Kgs.
(iv) Aircraft above 5,700 Kgs. AUW.	Rs. 50,000.00 plus Rs. 5,000 for every 1,000 Kgs. or part thereof above 5,700 Kgs.
(v) Engines:	
(a) Reciprocating	Rs. 200.00 per H.P.
(b) Turbo Prop.	Rs. 250.00 per S.H.P.
(c) Turbo jet	Rs. 25.00 per Kgs. of Thrust.
(vi) Helicopter	The charges will be 20% over and above the fee charged for aircraft in the corresponding weight categories.
(vii) Type Certificate in respect of aircraft components, equipment and instruments etc. when processed individually.	Rs. 5,000.00 each.

B. Validation of Type Certificate under rule 49B:

(i) Import of Aircraft:

The fee for validation of type certificate shall be Rs. 5,000 or 25% of the fee payable for issue of Type Certificate, whichever is higher.

(ii) Licensed production :

The fee for validation of Type Certificate shall be 50% of the fee payable for issue of Type Certificate.

C. Issue, renewal or Validation of Certificate of Airworthiness under rule 50:

(i) For an aircraft having maximum permissible Rs. 200.00 weight of 1,000 Kgs. or less.

(ii) For every 100 Kgs. or a part thereof above the Rs. 10.00 maximum permissible weight of 1,000 Kgs.

(iii) Issue of duplicate Certificate of Airworthiness Rs. 100.00

D. Issue, renewal or modification in scope of licence or authorisation in respect of AME/ARME/GME under rule 61:

(i) For each category of licence examination to be Rs. 160.00 held for issue or renewal or modification in scope of a licence and type endorsement/ authorisation/approval.

(ii) Issue/renewal or issue of duplicate licence Rs. 100.00

(2) All fees shall be paid by Crossed Indian postal order or Bank Draft, drawn in favour of Director General of Civil Aviation.

(3) Where for any reason, the licence or authorisation or certificate, is not issued renewed or validated, as the case may be, the Director General may refund to the applicant such portion of the fees paid as represents the cost of any examination or test or inspection not carried out or any licence, authorisation or a certificate not issued or renewed or validated, as the case may be”.

[F.No. AV. 11012/1/88-A]

RAVINDRA GUPTA, Jr. Secy.

FOOT NOTE

The Principal Rules were published vide notification No. V-26 dated 23rd March, 1937 in the Gazette of India, part I, dated the 27th March, 1937.

Subsequently amended by:

GSR 1232 dated 18th September, 1972 published in Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 30th September, 1972 of the Gazette of India.

GSR 2387 dated 26th August, 1975 published in Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 13th September, 1975 of the Gazette of India.

